



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 13 मई, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय:** (i) 16 मई, 2026 के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
- (ii) इस सप्ताह के कई दिनों तक उत्तर-पश्चिम, पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर तक की स्थिति रहने की संभावना है।
- (iii) 13 से 19 मई के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में और अगले 13 से 17 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

आज, 13 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, तटीय कर्नाटक के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है, और असम तथा मेघालय के कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हुई है।
- ❖ बिहार, हरियाणा, झारखंड, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर 50-100 किमी प्रति घंटे की गति वाली तेज़/झोंकेदार हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; वहीं मध्य प्रदेश, विदर्भ, गुजरात राज्य, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तथा असम और मेघालय के कुछ स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की गति वाली हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ, तथा पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही; वहीं विदर्भ, गुजरात क्षेत्र, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर रातें गर्म रहीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ अधिकतम तापमान (12-05-2026 तक): कल, राजस्थान, गुजरात राज्य, मराठवाड़ा, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 42°C और उससे अधिक की सीमा में था; मध्य महाराष्ट्र में कुछ स्थानों पर भी ऐसा ही था; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, कर्नाटक, कोंकण और गोवा, तेलंगाना, पूर्वी मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में ये 34-42°C की सीमा में थे और देश के बाकी हिस्सों में 34°C से नीचे थे। कल, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 48.3°C बाड़मेर (राजस्थान) में दर्ज किया गया।
- ❖ अधिकतम तापमान में अंतर (12-05-2026 तक): कल, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; पूर्वी राजस्थान, सौराष्ट्र

और कच्छ, असम, कोंकण और गोवा, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था। देश के बाकी हिस्सों में ये सामान्य से कम/सामान्य के करीब थे।

- ❖ न्यूनतम तापमान दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, महाराष्ट्र में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; पंजाब, हरियाणा, असम, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या सामान्य के करीब था।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ 16 मई, 2026 के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव क्षेत्र आज, 13 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समय) पर एक स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के रूप में दिखाई दे रहा था।
- ❖ उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में स्थित पश्चिमी विक्षोभ जम्मू के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तराखंड के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से लेकर मणिपुर तक, निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक पूर्व-पश्चिम गर्त फैला हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में, लगभग 89° पूर्व देशांतर के अनुदिश, 22° उत्तर अक्षांश के उत्तर में एक पश्चिमी गर्त फैला हुआ है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश से लेकर दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक तक, निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक उत्तर-दक्षिण गर्त फैला हुआ है।
- ❖ 15 मई 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश में 13, 15 और 16 मई को; उत्तराखंड में 13 और 14 मई को छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश/बर्फबारी के साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; हिमाचल प्रदेश में 14 मई को गरज और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 13 और 14 मई को; उत्तर प्रदेश में 13 मई को और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 13 से 17 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; असम और मेघालय में 14 से 17 मई के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश में 13 से 17 मई के दौरान गरज और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 13 और 15 से 18 मई के दौरान, असम और मेघालय में 15 से 19 मई के दौरान, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में 13 से 15 मई के दौरान, त्रिपुरा में 13 से 15 मई के दौरान और 18 और 19 मई को छिटपुट भारी

बारिश की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश में 14 और 18 मई को, असम और मेघालय में 13 और 14 मई को छिटपुट बहुत भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 13 से 19 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 13 से 16 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 13 और 14 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 13 से 15 और 17 मई को बिहार में, 13 से 15 से 18 मई के दौरान झारखंड में, और 13 से 15 मई के दौरान ओडिशा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ 14 मई को झारखंड और 16 मई को बिहार में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 13 से 19 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तथा 14 से 16 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, जिसमें 13 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश और विदर्भ में 13 मई को तथा छत्तीसगढ़ में 13 से 17 मई के दौरान छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) चलने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 13 और 14 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और लक्षद्वीप में; केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 13 से 17 मई तक; तेलंगाना में 13 से 15 मई तक; तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 13 मई को छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। 14 और 15 मई को तटीय कर्नाटक में गरज और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 14 और 15 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 14 से 17 मई तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, और 13 से 16 मई तक केरल और माहे में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 15 और 16 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 15 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 13 से 19 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 4-6°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ 17 मई तक मध्य भारत में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 18 और 19 मई को कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ 17 मई तक पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 18 और 19 मई को कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ 14 मई तक गुजरात में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और 15 से 19 मई के दौरान 2-4°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ 16 मई तक महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 17 से 19 मई के दौरान 2-3°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में 19 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 13 से 15 मई के दौरान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 13 से 17 मई के दौरान कई स्थानों पर ऊष्ण लहर चलने की संभावना है, जिनमें से कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ 12 से 18 मई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में, विदर्भ में, कोंकण और गोवा में 12 मई को, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात में 12 से 14 मई के दौरान और मराठवाड़ा में 12 से 15 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में 12 से 18 मई के दौरान गर्म रातें रहने की संभावना है, और 15 और 16 मई को कुछ इलाकों में भीषण गर्म रातें हो सकती हैं।
- ❖ पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में 12 से 15 मई के दौरान गर्म रातें रहने की संभावना है।
- ❖ 12 और 13 मई 2026 को तटीय कर्नाटक के कुछ अलग-अलग इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 13 मई से 18 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 13 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उससे सटे क्षेत्रों, दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 14 मई को पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के उससे सटे क्षेत्रों में; 14 से 18 मई तक अंडमान सागर में न जाएं।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 13 से 16 मई 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ असम और मेघालय: मिर्नेंग (15)
- ❖ तटीय कर्नाटक: मंगलुरु 8,
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: नलहाटी (10)
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: ताडोंग (10)
- ❖ बिहार: पूर्णिया (11)

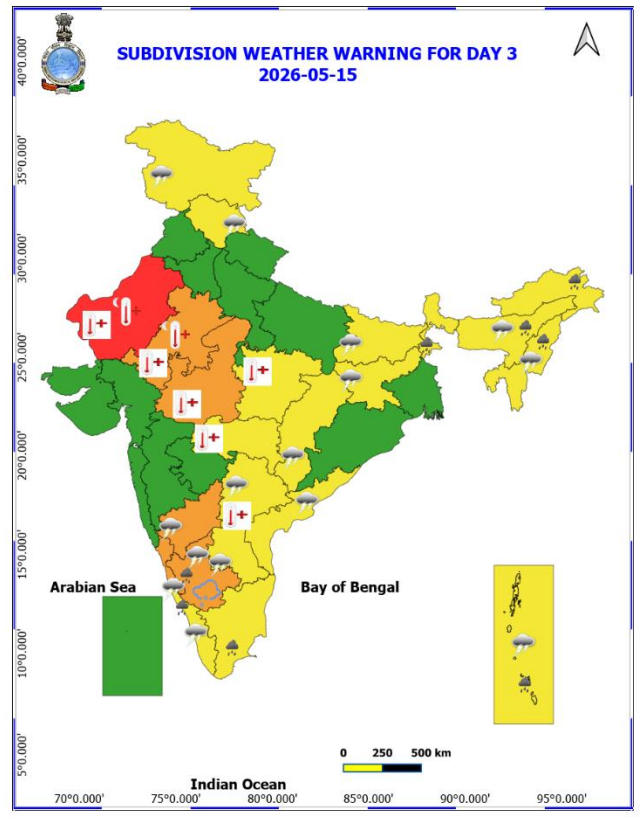
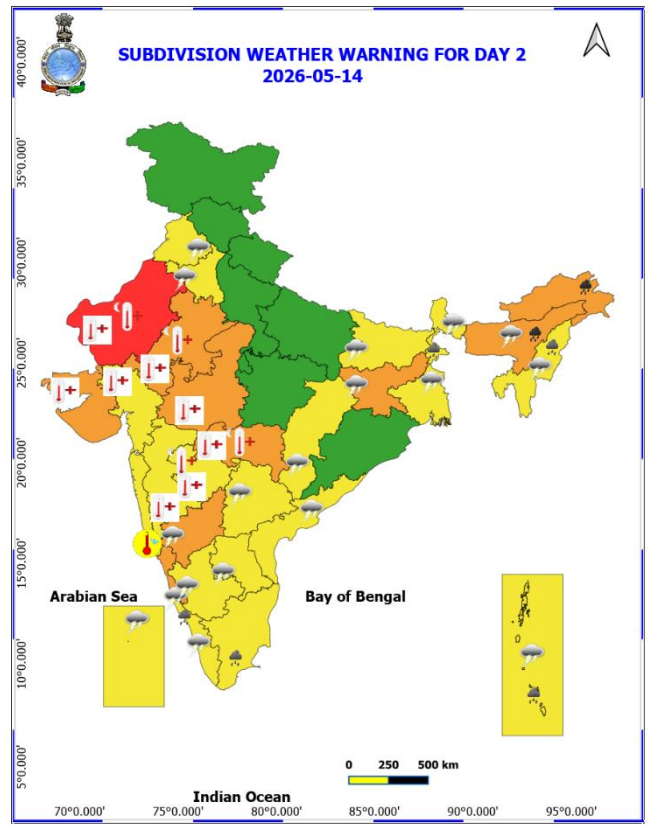
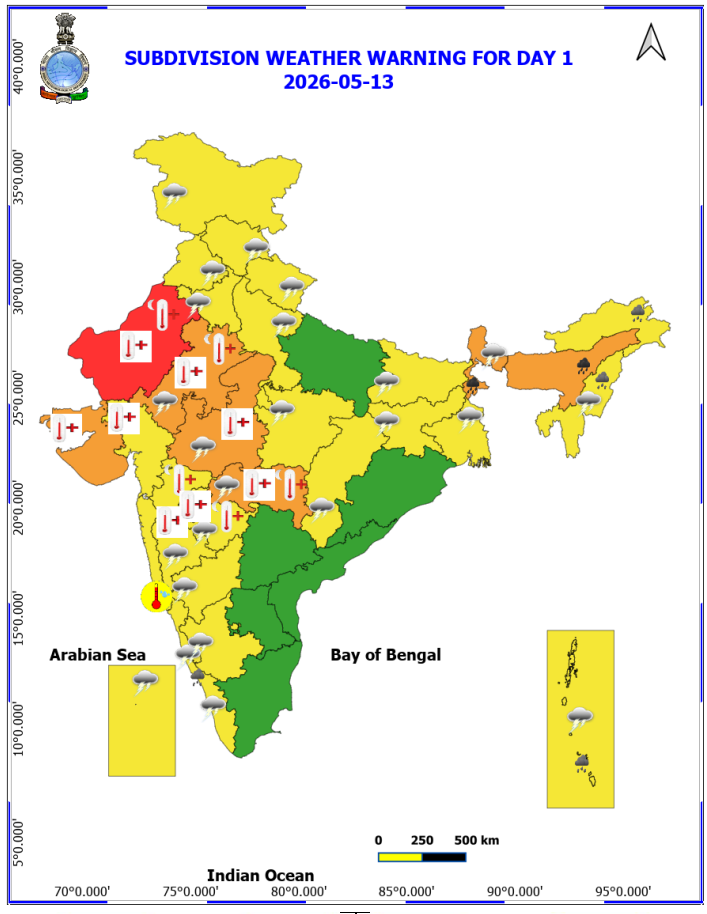
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

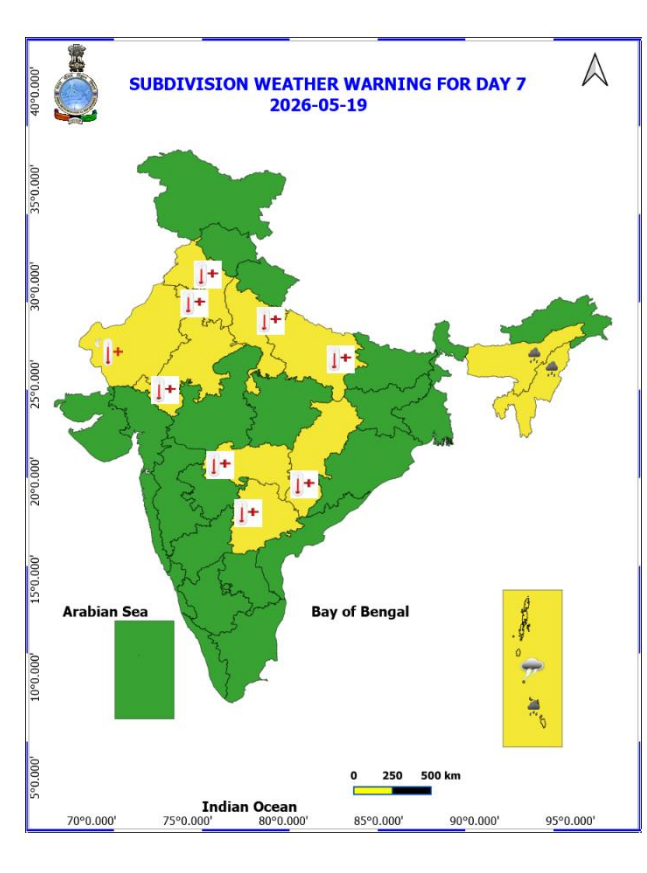
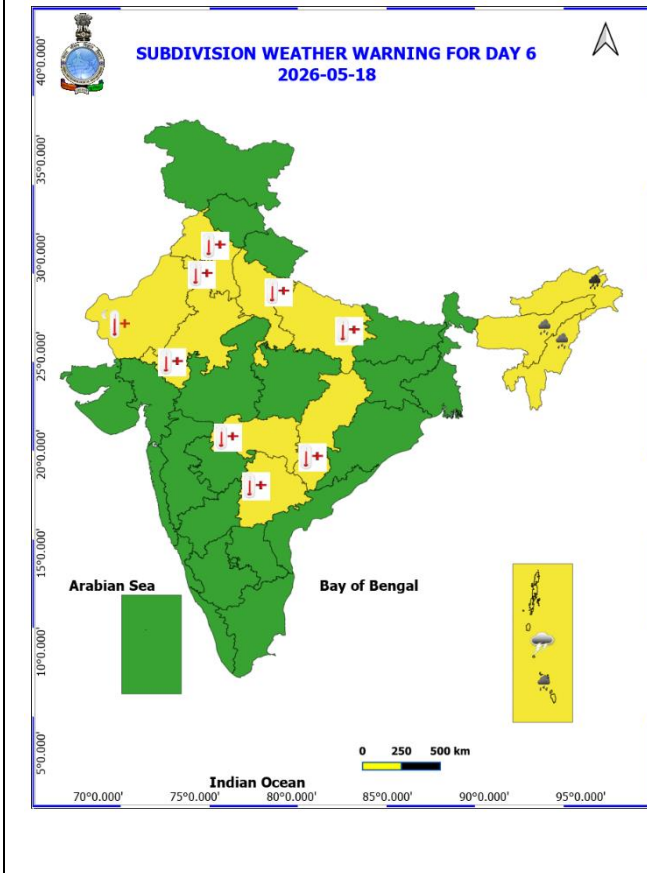
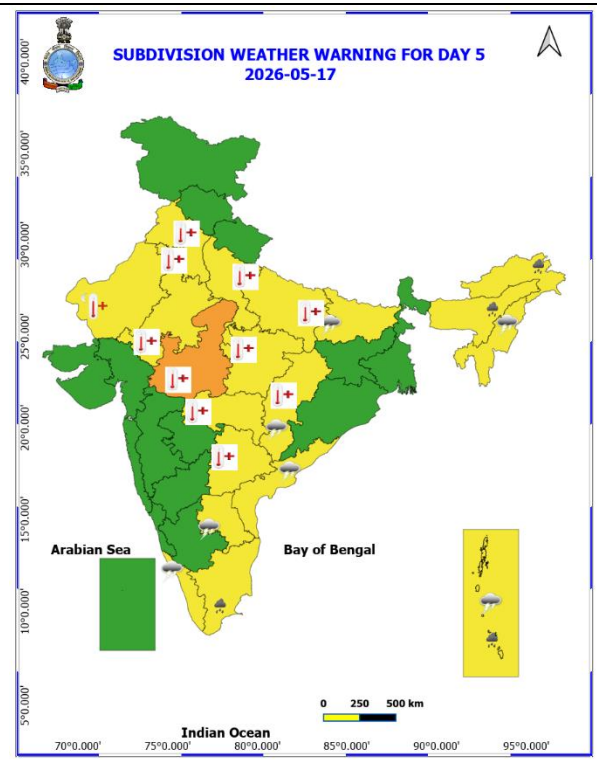
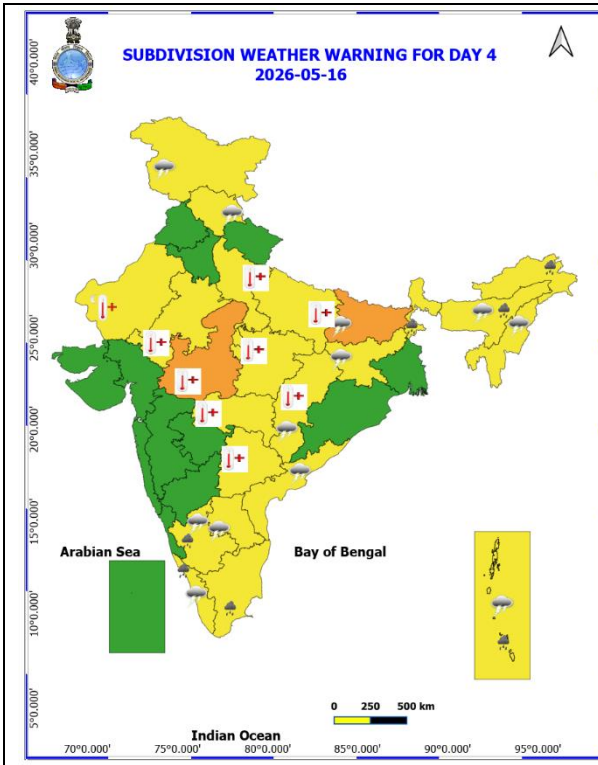
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली 100, शाहजहाँपुर 63, शामली 61, फर्रुखाबाद 43, हरदोई 39, बुलन्दशहर 39;
- ❖ त्रिपुरा: सिपाहीजला 87
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: खीरी 70, महाराजगंज 48;
- ❖ झारखंड: सिमडेगा 70;
- ❖ हरियाणा: उचानी (करनाल) 57, करनाल (करनाल) 52, पांडु_पिंडारा (जींद) 43;
- ❖ बिहार: अरवल 54;
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: चूरू 48;

- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर 46;
- ❖ उत्तराखंड: मुक्तेश्वर 44, चमोली 43, रानी चौरी 37, पंतनगर 31;
- ❖ मराठावाड़ा: अंबेजोगई (बीड) 44, हिंगोली 44;
- ❖ असम और मेघालय: मानश 43
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 41
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: विल्होली (नासिक) 41, राजगुरुनगर (पुणे) 41, सोलापुर 41;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 40, सागर 37;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ 39;
- ❖ कोंकण: कर्जत (रायगढ़) 37, देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 28;
- ❖ विदर्भ: वर्धा 37;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: दाहोद 31

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	13- May	14- May	15- May	16- May	17- May	18- May	19- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	ISOL	SCT	SCT	DRY	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

13 मई से 16 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में लगभग 1°C की मामूली बढ़ोतरी हुई है, जबकि न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 37-39°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23-27°C की सीमा में रहा। दिल्ली में कुछ अलग-अलग जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 kmph तक रही, जो झोंकों के साथ 44 kmph तक पहुँच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और बहुत हल्की बारिश/बूटाबांदी हुई, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाएँ (गति 40-50 kmph, झोंकों के साथ 60 kmph तक) चलीं, जो पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से आ रही थीं।

मौसम पूर्वानुमान:

13.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के दौरान बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाएँ (गति 40-50 kmph, झोंकों के साथ 60 kmph तक) चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36°C से 38°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर 10 kmph तक रह जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। 14.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph से कम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होगी और उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक पहुँच जाएगी।

15.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक पहुँच जाएगी।

16.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय, ज़मीन पर हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय, ज़मीन पर हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम रहेगी।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 15 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 14 मई को झारखंड में, 16 मई को बिहार में और 14 और 15 मई को उत्तर आंतरिक कर्नाटक में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 13 मई और 15 से 18 मई के दौरान, असम और मेघालय में 15 से 19 मई के दौरान, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में 13 से 15 मई के दौरान, त्रिपुरा में 13 से 15 मई और 18 और 19 मई के दौरान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 13 से 19 मई के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 से 16 मई के दौरान, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 14 से 17 मई के दौरान, केरल और माहे में 13 से 16 मई के दौरान, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 15 और 16 मई को भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश में 14 और 18 मई को, असम और मेघालय में 13 और 14 मई को, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 मई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।

- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 12 से 16 मई के दौरान, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 से 18 मई के दौरान, विदर्भ में 12 से 16 मई के दौरान, कोंकण और गोवा में 12 मई को, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात में 12 से 14 मई के दौरान, और मराठवाड़ा में 12 से 15 मई के दौरान कुछ स्थानों पर और कुछ अलग-थलग इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में 17 और 18 मई को भी भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि मौसम विभाग की सलाह

- उत्तर आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- असम में, फसल के खेतों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। पकी हुई फसलों की कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखी और ढकी हुई जगह (गोदाम) पर सुरक्षित रख दें। लंबी फसलों (जैसे केला या गन्ना) और छोटे पौधों को बांस की डंडियों या खंभों से सहारा प्रदान करें।

- **मेघालय** में, मक्का, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (स्टेकिंग) से बांधें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और लाल मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। टमाटर और लाल मिर्च के पौधों को सहारा प्रदान करें। परिपक्व फसलों की कटाई जल्द से जल्द करें और उन्हें सुरक्षित, सूखे स्थानों पर रखें। नर्सरी एवं नए पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए आवरण का उपयोग करें।
- **अंडमान और निकोबार** में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, लौकी, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **गुजरात** में सुबह या शाम के समय ग्वार, मूंगफली, मूंग, उड़द तथा खीरा, तुरई, लौकी, नेनुआ और करेला जैसी सब्जियों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें। मूंगफली की फसल में फूल आने तथा पेगिंग अवस्था पर सिंचाई करें। **सौराष्ट्र और कच्छ** में शुष्क मौसम के दौरान आम के बागों में उचित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें। अधिक तापमान के कारण सब्जी फसलों में बार-बार सिंचाई करें, नर्सरी एवं युवा पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए 50%-75% हरे शेड नेट का उपयोग करें तथा सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम के समय करें।
- **महाराष्ट्र** में सुबह या शाम के समय सब्जियों और बागों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें तथा फसलों की संवेदनशील अवस्थाओं में सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाएं। **कोंकण** क्षेत्र में चीकू बागानों में 4-5 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। नवरोपित बागों को गर्मी के तनाव से बचाने के लिए शेड नेट या ताड़ के पत्तों से अस्थायी छाया प्रदान करें। आम में स्पंजी ऊतक की समस्या से बचाव हेतु फलों की तुड़ाई सुबह जल्दी या देर शाम करें। **मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा** में गन्ना, ग्रीष्मकालीन मूंगफली, सब्जियों और बागों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या भूसे की मल्लिचिंग करें; केले के घोंद को पत्तियों से ढकें; तथा नवरोपित केले के बागानों में शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

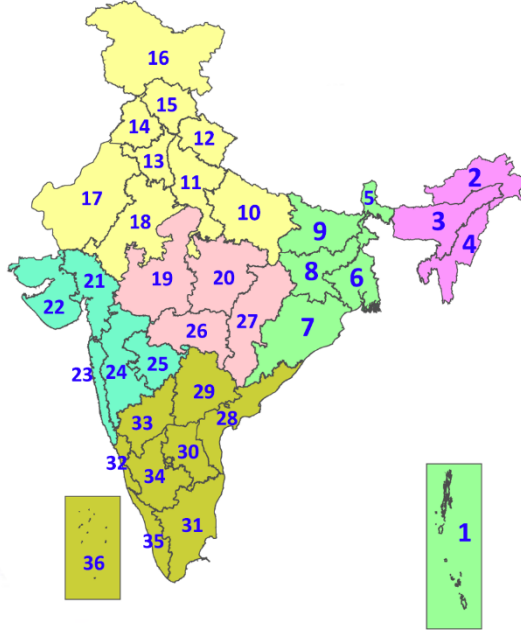
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)